# दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड में ग्रामीण योजनाओं का अध्ययन

**लेखक– डॉ. कमलेश**
**अतिथि व्याख्याता अर्थशास्त्र**
**शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर**
**स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, दुर्ग(छ.ग.)**

**ABSTRACT:-**

दुर्ग जिले में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक विकास योजनाएँ चलाई जा रही हैं जिसके माध्यम से ग्राम विकास हो रही है। दुर्ग जिले में मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य 1221, निर्मलाघाट निर्माण 99, मुक्तिधाम निर्माण 50, सामुदायिक भवन निर्माण 82, नाली निर्माण 198, व्यवसायिक परिसर निर्माण 13, मिनी स्टेडियम निर्माण–04, अटल समरसता भवन निर्माण–03 एवं अन्य विकास कार्य 42 करवाये गये हैं। इस प्रकार कुल 1712 विकास कार्य करवाये गये हैं।

**KEYWORDS -** दुर्ग जिला, ग्राम विकास, ग्रामीण विकास योजनाओं,

## प्रस्तावना :–

भारत गाँवो का देश है। भारत की लगभग 69% जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अतः सरकार का प्रयास यह रहता है कि ज्यादा से ज्यादा विकास योजनाएँ ग्रामीण क्षेत्र में चलाई जाये। आजादी के 72 वर्षों के बाद भी आज तक ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों जैसी सुविधाएँ कम देखने को मिलती हैं। गाँवों में मूलभूत सुविधाएँ तो मिल रही हैं लेकिन सुनिश्चित रोजगार, परिवहन सुविधाएँ, चिकित्सा व्यवस्था की सुविधाएँ नहीं के बराबर मिल रही हैं। एक राष्ट्र को आर्थिक रूप से मजबूत नहीं कहा जा सकता जब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास नहीं होगा। एक राष्ट्र के विकास के लिए लोगों के लिए सुनिश्चित रोजगार, आधार संरचना का विकास एवं ग्रामीण शासन में ग्रामीणों की भागीदारी एक आवश्यक शर्त है।

दुर्ग जिले में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक विकास योजनाएँ चलाई जा रही हैं जिसके माध्यम से ग्राम विकास हो रही है। दुर्ग जिले में मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में सी.सी. रोड निर्माण काय 1221, निर्मलाघाट निर्माण 99, मुक्तिधाम निर्माण 50, सामुदायिक भवन निर्माण – 82, नाली निर्माण 198 व्यवसायिक परिसर निर्माण–13, मिनी स्टेडियम निर्माण–04, अटल समरसता भवन निर्माण–03 एवं अन्य विकास कार्य–42 करवाये गये है। इस प्रकार कुल 1712 विकास कार्य करवाये गये हैं।

## अध्ययन का उद्देश्य

1. न्यादर्श परिवारों की आर्थिक स्थिति का विश्लेषन करना।
2. ग्रामीण विकास योजनाओं की स्थिति का मूल्यांकन करना।

## शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध प्रविधि प्राथमिक एवं द्वितीयक समक पर आधारित है। प्राथमिक आकड़ों को अनुसूची द्वारा प्राप्त एवं द्वितीयक आकड़ों का संकलन राज्य सरकार एवं जिला पंचायत द्वारा प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं से संकलित किया गया है।

## शोध क्षेत्र

शोध क्षेत्र दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड के 04 ग्राम पंचायतों के 151 परिवारों को चुना है। 15% परिवारों को चुना है।

## अध्ययन क्षेत्र का सामान्य जानकारी

दुर्ग जिले का निर्माण 1906 में हुआ। दुर्ग जिला छत्तीसगढ़ राज्य के 27 जिलों में से एक जिला है। दुर्ग जिले का क्षेत्रफल 8549 वर्ग कि.मी. है। दुर्ग जिला मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है। दुर्ग जिले की प्रमुख नदी शिवनाथ नदी है। दुर्ग जिले में खरीफ एवं रबी दोनों फसल ली जाती है। दुर्ग सिंचित जिला है। दुर्ग जिले में 3 तहसील, 3 विकासखण्ड क्षेत्र है।

दुर्ग जिले की कुल जनसंख्या 1721948 है। जिसमें 875813 पुरूष एवं 846135 महिला है।

अनुसूचित जाति की जनसंख्या 245587 है एवं अनुसूचित जनजाति की संख्या 101188 है। दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 14.56% है जनसंख्या घनत्व 742 प्रति वर्ग कि.मी. है। लिंगानुपात प्रति हजार पुरूषों पर 966 है। साक्षरता दर 75.84% है। पुरूष साक्षरता 89.88% है। विद्यतीकरण की व्यवस्था करने में दुर्ग जिला आगे है। कुल विधुतीकृत ग्राम 374 है। कुल कार्यशील जनसंख्या 572642 है

**आदर्श परिवार के आर्थिक स्थिति का विश्लेषण**

**तालिका कमांक 1**

| **लिंग भेद** | **पुरूष 92(62%)** | **महिला 59(30%)** | **——** | **कुल 151** |
|---|---|---|---|---|
| आयु संरचना | 30 या कम 9(5.9%) | 30–40 23(15.2%) | 40–50 या ऊपर 119(78.8%) | 151 |
| शैक्षिक स्तर | निरक्षर 43(28.4%) | साक्षर 22(14.5%) | शिक्षित 86(56.9%) | 151 |
| वैवाहित स्तर | अविवाहित 8(5.2%) | विवाहित 130(86%) | अन्य (विधवा/तलाक) 13(8.6%) | 151 |
| व्यवसाय | कृषि 21(13.9%) | मजदूरी 93(61.5%) | अन्य व्यवसाय 37(24.5%) | 151 |
| कुल मासिक आय | 1000–2000 52(34.4%) | 2000–3000 19(12.5%) | 3000 से अधिक 80(52.9%) | 151 |
| परिवार का स्वरूप | एकांकी 129(85.4%) | संयुक्त 22(14.5%) | ——— | 151 |
| जाति | अनुसूचित जाति 36(23.8%) | अनुसूचित जनजाति 14(9.2%) | अन्य पिछड़ वर्ग 101(66.8%) | 151 |

**स्त्रोतः–** व्यक्तिगत सर्वेक्षण पर आधिरित

**नोटः–** कोष्ठक में प्रतिशत को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तालिका में आदर्श परिवार का आर्थिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। आदर्श परिवार के लिंग भेद में अधिकांश पुरुष 60.9 प्रतिशत पाये गये हैं जबकि महिला 39 प्रतिशत पाये गये हैं। आयु संरचना में अधिकांश 78.8 प्रतिशत 40–50 या उससे अधिक आयु वर्ग के पाये गये हैं जबकि निम्न 5.9% 30 या उससे कम आयु वर्ग के एवं 15.2:% 30–40 आयु वर्ग के पाये गये हैं।

- आदर्श परिवार में अधिकांश 56.9% शिक्षित पाये गये हैं जबकि निम्न 14.5:% साक्षर पाये गये हैं जिन्होंने प्रौढ़ शिक्षा एवं प्राथमिक स्तर से कम स्तर की शिक्षा प्राप्त की है एवं 28.4% निरक्षर पाये गये हैं।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 86 प्रतिशत विवाहित पाये गये हैं जबकि निम्न 5.2% अविवाहित एवं 8.6 प्रतिशत अन्य अर्थात् विधवा, विधुर या तलाकशुदा पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्र में कम उम्र में ही विवाह कर दिया जाता है जिससे विवाहित की संख्या अधिक है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 61.5 प्रतिशत मजदूरी कार्य करते पाये गये हैं जबकि ये गये है।

निम्न 13.9 प्रतिशत कृषि कार्य जबकि 24.5 प्रतिशत अन्य व्यवसायिक कार्य करते पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्र अधिकांश कम पढ़े लिखे लोग होते है अतः ये मजदूरी कार्य ही कर सकते हैं।

- कुल मासिक आय में आदर्श परिवार में सर्वाधिक 52.9 प्रतिशत परिवार है जबकि निम्न 12.5 प्रतिशत की आय 2000–3000 के बीच एवं 34.4 प्रतिशत परिवार की आय 1000–2000 के बीच पाये गये हैं। ग्रामीण क्षेत्र में मजदूरी कम दी जाती है जिससे कुल आय बहुत कम है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 85.4 प्रतिशत परिवार का स्वरूप एकांकी पाया गया है जबकि निम्न 14.5 प्रतिशत परिवार का स्वरूप संयुक्त पाया गया है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र में अब शहरों की तरह परिवार टूटने लगा है। इसका कारण विचारों का न मिल पाना एवं पारिवारिक खर्च बढ़ना है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 66.8 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पाये गये हैं जबकि निम्न 9.2 प्रतिशत अनु. जनजाति एवं अनु. जाति वर्ग के पा

**1 (अ) दुर्ग जिले में ग्राम विकास के लिए चलाई जा रही ग्रामीण विकास योजनाओं की स्थिति का मूल्यांकन**

तालिका कमांक 2(3)

| क. | वर्ष | प्रदत्त प्रशासकीय स्वीकृति | | व्यय राशि | पूर्ण कार्य | अपूर्ण कार्य |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | कार्य संख्या | लागत राशि(लाख रू. में) | | | |
| 1 | 2014–15 | 350 | 1095790 | 1040890 | 348 | 2 |
| 2 | 2015–16 | 827 | 2017760 | 1942659 | 808 | 15 |
| 3 | 2016–17 | 351 | 991958 | 620457 | 256 | 84 |
| 4 | 2017–18 | 187 | 565994 | 220832 | 2 | 185 |
| | योग | 1715 | 4671502 | 3824838 | 1414 | 286 |

नोटः– जिला पंचायत द्वारा 2015–16 में 4, 2016–17 में 11 कार्य निरस्त किये गये है। इस प्रकार कुल 15 विकास कार्य निरस्त किये गये है

**2(ब) पिछले 5 वर्षों में किये गये विकास कार्यों का मूल्यांकन**

तलिका कमांक 2(ब)

| क. | विकास कार्य | 5 वर्ष पहले | 5 वर्ष बाद | नये बनाये गये | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | हैण्डपंप /नल की व्यवस्था | 22 | 22 (नल की व्यवस्था) | 0 | 22 |
| 2 | स्कूल की व्यवस्था | 4 | 6 | 2 (हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी) | 6 |
| 3 | आंगनबाड़ी की व्यवस्था | 15 | 20 | 5 | 20 |
| 4 | श्मशान घाट की व्यवस्था | 7 | 8 | 1 | 8 |
| 5 | सांस्कृतिक भवन की व्यवस्था | 16 | 18 | 2 | 18 |
| 6 | सामुदायिक भवन की व्यवस्था | 14 | 17 | 3 | 17 |
| 7 | गौठान की व्यवस्था | 9 | 10 | 1 | 10 |
| 8 | कांजीहाउस की व्यवस्था | 4 | 4 | 0 | 4 |
| 9 | नालियों की व्यवस्था(गलियों में) | 0 | 2 | 2 | 2 |
| 10 | तलाब की व्यवस्था | 27 | 27 (4 का पुनर्निर्माण) | 0 | 27 |
| 11 | सी..सी रोड निर्माण | 16 | 24 | 8 | 24 |
| | कुल | 134 | 158 | 24 | 158 |

स्त्रोतः– व्यक्तिगत सर्वेक्षण पर आधरित

नोटः– कोष्ठक में प्रतिशत को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है। कि पिछले 5 वर्षों में के अंतर्गत कराये गये है। तालाबों का पुर्ननिर्माण ग्राम विकास कार्य कराये गये है। 5 वर्ष पहले घेराव व पचरीकरण किया गया है। नल की व्यवस्था 134 विकास कार्य जबकि 5वर्ष बाद 158 विकास की गई। अतः 24 विकास कार्य पिछले 5 वर्षों

## 2(स) विकास कार्यों से संतुष्टि

तालिका कमांक 2 (स)

| क. | विकास कार्य | पूर्णतः | आंशिक | नहीं | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | हैण्डपंप /नल की व्यवस्था | 44 (29.1) | 76 (50.3) | 31 (20.5) | 151 |
| 2 | स्कूल की व्यवस्था | 65 (43.0) | 57 (37.7) | 29 (29.1) | 151 |
| 3 | आंगनबाड़ी की व्यवस्था | 79 (52.3) | 55 (36.4) | 17 (11.2) | 151 |
| 4 | श्मशान घाट की व्यवस्था | 76 (50.3) | 59 (39.0) | 16 (10.5) | 151 |
| 5 | सांस्कृतिक भवन की व्यवस्था | 78 (51.6) | 65 (43.0) | 8 (5.2) | 151 |
| 6 | सामुदायिक भवन की व्यवस्था | 90 (59.6) | 60 (39.7) | 1 (0.6) | 151 |
| 7 | गौठान की व्यवस्था | 45 (29.8) | 61 (40.3) | 45 (29.8) | 151 |
| 8 | कांजीहाउस की व्यवस्था | 65 (43.0) | 43 (28.4) | 43 (28.4) | 151 |
| 9 | नालियों की व्यवस्था(गलियों में) | 42 (27.8) | 92 (60.9) | 43 (11.2) | 151 |
| 10 | तलाब की व्यवस्था | 70 (46.3) | 54 (35.7) | 27 (17.8) | 151 |
| 11 | सी..सी रोड निर्माण | 86 (56.9) | 61 (40.3) | 4 (2.6) | 151 |

स्त्रोतः– व्यक्तिगत सर्वेक्षण पर आधरित

नोटः– कोष्ठक में प्रतिशत को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि विकास कार्यों के संतुष्टि संबंधी विवरण को प्रस्तुत किया गया है। आदर्श परिवार में सर्वाधिक 50.3 प्रतिशत हैण्डपंप की व्यवस्था से आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये जबकि निम्न 20.5 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 29.1 प्रतिशत पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं।

- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 43 प्रतिशत स्कूल की व्यवस्था से पूर्णतः संतुष्ट पाये गये है जबकि निम्न 19.2 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 37.7 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं। अधिकांश स्कूल की व्यवस्था से पूर्णतः है। इसका कारण यह है कि दो नये स्कूल खुले हैं एवं पुराने स्कूल का जीर्णोद्धार किया गया है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 52.3 प्रतिशत आंगनबाड़ी की व्यवस्था से पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं जबकि निम्न 11.2 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 36.4 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं क्योंकि नये–नये आंगनबाड़ी खोले गये हैं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा शिशुवती एवं किशोरी गर्भवती महिलाओं के पूरक पोषण आहार को पर्याप्त मात्रा में दिये जाते हैं।
- आदर्श परिवार में श्मशान घाट की व्यवस्था से अधिकांश 50.3 प्रतिशत पूर्णतः संतुष्ट पाये गये जबकि निम्न 10.5 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 39 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 51.6 प्रतिशत सांस्कृतिक भवन की व्यवस्था से पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं जबकि 5.2 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 43 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि वर्तमान में कोई नुक्कड़ नाटक समाज सुधार से संबंधित जैसे परिवार नियोजन से इत्यादि संबंधित जानकारी बहुत कम दिये जाते हैं।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 59.6 प्रतिशत सामुदायिक भवन की व्यवस्था से पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं इसका कारण यह है कि अलग–अलग समाज के अलग–अलग सामुदायिक भवन बनाये गये हैं जबकि मात्र 0. 6 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 39.7 प्रतिशत आआंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 40.3 प्रतिशत गौठान की व्यवस्था से आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं जबकि 29.8 प्रतिशत पूर्णतः एवं संतुष्ट नहीं पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि कुछ गौठानों में सीमेंटीकरण नहीं किया गया जिससे बारिश के मौसम में कीचड़ हो जाते हैं।
- आदर्श परिवार में कांजीहाउस की व्यवस्था से अधिकांश 43 प्रतिशत पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं जबकि 28.4 प्रतिशत आंशिक रूप से एवं संतुष्ट नहीं पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि एक कांजीहाउस का पुननिर्माण किया गया है जबकि अन्य कांजीहाउस जर्जर स्थिति में है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 60.9 प्रतिशत नालियों की व्यवस्था से आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं। जबकि निम्न 11.2 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 27.8 प्रतिशत पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि गलियों में किये गये नाली निर्माण में कुछ मोहल्ले की नालियों बहुत छोटी एवं सकरी बनाई गई है एवं साफ–सफाई एवं दवाई छिड़काव का कार्य भी नहीं किया जाता है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक 46.3 प्रतिशत तालाब की व्यवस्था से संतुष्ट पाये गये जबकि निम्न 17.8 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 35.7 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं। इसका कारण यह है कि अधिकांश तालाबों में घेराव या पचरीकरण किया जा चुका है जबकि कुछ तालाबों में घेराव व पचरीकरण नहीं किया गया है।
- आदर्श परिवार में सर्वाधिक सी. सी. रोड निर्माण कार्य में 56.9 प्रतिशत पूर्णतः संतुष्ट पाये गये हैं जबकि निम्न 2.6 प्रतिशत संतुष्ट नहीं एवं 40.3 प्रतिशत आंशिक रूप से संतुष्ट पाये गये हैं। इस प्रकार अधिकांश सी. सी. रोड निर्माण कार्य

से संतुष्ट पाये गये हैं। क्योंकि बारिश के मौसम में गलियों एवं छोटी सड़कों में कीचड़ नहीं होते हैं।

## निष्कर्ष और सिफारिशें

इस प्रकार हम कह सकते है कि पिछले 5 वर्षों में ग्राम विकास के कार्य हुए हैं और अधिकांशतः ग्रामीण इन विकास कार्यों से संतुष्ट पाये गये हैं हालांकि कुछ–कुछ विकास कार्यों में और सुधार की गुंजाइश है जैसे श्मशान घाट में लोगों के लिए रोड निर्माण ताकि बारिश एवं धूप के मौसम में लोगों को असुविधा न हो। नालियों की साफ–सफाई एवं दवाइयों का छिडकाव समय समय पर पंचायतों द्वारा कराई जाये। स्कूल में योग्य एवं अनुभवी पंचायत शिक्षक की व्यवस्था करें। कांजीहाउस का मरम्मत कार्य किये जाये। कुछ गौठान में सीमेंटीकरण नहीं हुआ है। अतः सीमेंटीकरण किया जाये।

## संदर्भ ग्रंथ

1. अग्रवाल, दिनेश एवं कविता (2005) ''मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास'' (ग्रामीण मध्यप्रदेश में रोजगार के नवीन अवसरो के विशेष संदर्भ में) शोध उपक्रम, पेज नं. 20–24

2. बाजपेयी, भारदचन्द्र (2015). देश के आर्थिक विकास में पंचवर्षीय योजनाओं की भूमिका, Research Digest, vol.09,ISSN.0973-6387,Oct.Mar 2015 Page no. 65-68

3. भदौरिया, सुरजीत सिंह (2013). पंचायती राज में महिला नेतृत्व एवं परिवर्तन, शोध उपक्रम, अंक–35, पेज नं 109–112

4. बिंदल, के.के. एवं जोशी, विनोद (2013) ग्रामीण विकास की रणनीति का सिंहलोकन, एंडू जंक्सन, जनवरी–मार्च 2013, पेज नं. 1618

5. चन्द्राकर, ओपी. एवं रजतलाल, सी. (2013) ''गामीण विकास में स्व–सहायता समूह का योगदान एक अध्ययन'' Int. Res.J.Lab to land, 2013, ISSN 0975–282X, पेज नम्बर 752–754

6. चौहान, जयश्री (2007) ''पंचायतीराज व्यवस्था में महिला नेतृत्व की भूमिका'' शोध प्रकर, पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)